अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन ।

सेवा में,

निदेशक,
स्थानीय निकाय,
उ0प्र0, लखनऊ ।

नगर विकास अनुभाग-9

लखनऊ : दिनांक 23 मई, 2011

विषयः-प्रदेश के दस लाख से अधिक जनसंख्या वाले 6 नगर निगमों (कानपुर/लखनऊ/आगरा/वाराणसी/इलाहाबाद/मेरठ) में आग के खतरे से निपटने की व्यवस्था हेतु उपशमन की योजना।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासन के पत्र संख्या-608/9-9-2011-294ज/10 दिनांक 24मार्च, 2011 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2. इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रश्नगत कार्ययोजना संख्या-582/नौ-9-2011-294ज/10 दिनांक 24मार्च, 2011 की मुद्रित प्रतियाँ सलंग्न कर उपलब्ध कराते हुए अनुरोध है कि कृपया इस सम्बन्ध में सम्बन्धित नगर निगमों एवं अग्निशमन विभाग से समन्वय स्थापित कर अग्रेतर आवश्यक कार्यवाही सम्पन्न करने का कष्ट करें।

सलंग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

(आत्मा राम वर्मा)
अनु सचिव

संख्या व दिनांक तदैव ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को उक्त कार्य योजना की मुद्रित प्रति सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निदेशक, अग्निशमन विभाग, उ0प्र0 जवाहर भवन, लखनऊ ।
2. संबंधित नगर आयुक्त, नगर निगम, लखनऊ, कानपुर, आगरा, वाराणसी, इलाहाबाद व मेरठ को सरकारी गजट में दिनांक 24 मार्च, 2011 को प्रकाशित कार्य योजना की प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु सलंग्न कर प्रेषित।
3. सयुक्त निदेशक(वित्त संसाधन एवं वित्त आयोग) अनुभाग ।

सलंग्नक-यथोक्त।

आज्ञा से,

(आत्मा राम वर्मा)
अनु सचिव

GO-K

क्रम-संख्या—75

रजिस्ट्रेशन नम्बर—एस0एस0पी0/एल0
डब्लू0/एन0पी0—91/2011—13
लाइसेन्स टू पोस्ट ऐट कन्सेशनल रेट

सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग—4, खण्ड (ख)

(परिनियत आदेश)

लखनऊ, बृहस्पतिवार, 24 मार्च, 2011

चैत्र 3, 1933 शक सम्वत्

उत्तर प्रदेश शासन

नगर विकास अनुभाग—9

संख्या 582/9-9—2011-294ज-10

लखनऊ, 24 मार्च, 2011

प0 आ0—231

कार्य योजना

विषय— प्रदेश के 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले 6 नगर निगमों (कानपुर/लखनऊ/आगरा/वाराणसी/इलाहाबाद/मेरठ) में आग के खतरे से निपटने की व्यवस्था हेतु उपशमन की योजना।

13वें वित्त आयोग ने शहरी नगर निकायों के लिए "इन्सेन्टिव फ्रेमवर्क फॉर जनरल परफार्मेन्स ग्रान्ट" प्राप्त करने के लिए 9 शर्तों की पूर्ति का उल्लेख अपनी संस्तुतियों में किया है उनमें से एक यह है कि :—

"10 लाख से अधिक आबादी (जनगणना 2001) वाले प्रत्येक नगर निगम अपने अधिकार क्षेत्र में आग के खतरे से निपटने की व्यवस्था कायम करेंगे और उपशमन की योजना बनायेंगे। सम्बन्धित राज्य सरकारों के राजपत्र में इन योजनाओं का प्रकाशन इस शर्त के अनुपालन को दर्शाएगा।"

2—आयोग ने अपनी संस्तुति के प्रस्तर सं0—10.171 में यह कहा है कि नेशनल डिजास्टर मैनेजमेन्ट अथॉरिटी द्वारा उनका ध्यान अग्निशमन सेवाओं के असंतोषजनक स्थिति की ओर आकृष्ट किये जाने का उल्लेख करते हुए अपेक्षा की है कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं का पुर्नगठन किया जाना चाहिए। आयोग ने संस्तुति की है कि :—

"शहरी स्थानीय निकायों द्वारा उन्हें हमारे (वित्त आयोग) द्वारा प्रदत्त अनुदान में से अपने-अपने क्षेत्र में अग्निशमन सेवाओं के सुदृढीकरण पर भी व्यय किया जाये। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु शहरी स्थानीय निकायों द्वारा राज्य के अग्निशमन सेवाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है।"

3—राज्य में 10 लाख से अधिक आबादी वाले नगर निगम :

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार निम्नांकित नगर निगमों की आबादी 10 लाख से अधिक है :–

क्रम सं0	नगर निगम	जनगणना 2001 के अनुसार जनसंख्या
1	कानपुर	25,55,811
2	लखनऊ	21,85,927
3	आगरा	12,75,134
4	वाराणसी	11,03,952
5	मेरठ	10,68,772
6	इलाहाबाद	10,18,092

4–आग के खतरे से निपटने की व्यवस्था एवं उपशमन की योजना तैयार करने की प्रक्रिया :

उक्त नगर निगमों के लिए आग के खतरे से निपटने की व्यवस्था एवं उपशमन की योजना तैयार करते समय इन नगरों में उपलब्ध वर्तमान अग्निशमन सेवायें, जो पर्याप्त नहीं हैं, को तथा राज्य सरकार द्वारा वर्षानुवर्ष अपने सीमित संसाधनों से वार्षिक विभागीय बजट के माध्यम से, जो प्राविधान किया जा रहा है, उसे संज्ञान में लिया गया है। उक्त नगर निगमों को अनुदान के रूप में प्राप्त होने वाली धनराशि से सम्पादित किये जाने वाले विविध प्रकार के कार्यों को भी ध्यान में रखा गया है। नगर निगमों द्वारा अग्निशमन सेवाओं के सुदृढीकरण हेतु सहयोग अनुपूरक (सप्लीमेन्ट) के रूप में होगा और अग्निशमन विभाग द्वारा पूर्ववत् अपने दायित्वों का निर्वाह किया जाता रहेगा।

5–अग्निशमन सेवाओं की वर्तमान व्यवस्था :

उत्तर प्रदेश में अग्निशमन का दायित्व राज्य सरकार के गृह विभाग के अन्तर्गत उ0प्र0 अग्निशमन सेवा संगठन को सौंपा गया है। संगठन के अन्तर्गत राज्य स्तर पर निदेशक अग्निशमन सेवाऐं तथा प्रत्येक जनपद में एक या एक से अधिक अग्निशमन इकाई कार्यरत है। अग्निशमन इकाईयों को तत्परता एवं दक्षता से अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वाह करने हेतु नगर निकायों के सहयोग की अपेक्षा होती है। अग्निशमन के लिए जलकल, जल संचयन, फायर हाइड्रेन्स इत्यादि का सतत् कार्यशील होना, नगर नियोजन इस प्रकार होना कि अग्निशमन वाहन मौके पर त्वरित पहुँच सके, इत्यादि अनिवार्य हैं और यह कार्य नगर निकायों के कार्य क्षेत्र में आता है। अतः आग के खतरे से निपटने की व्यवस्था एवं उपशमन की योजना एवं उसका क्रियान्वयन अग्निशमन सेवा संगठन तथा सम्बन्धित नगर निगम के बीच समन्वय एवं सहयोग से भली प्रकार किया जा सकता है।

6–कार्य योजना :

वर्ष 2011–12 से वर्ष 2014–15 तक फेजेज में नगर निगमों द्वारा निम्नांकित उपकरणों की आपूर्ति किये जाने तथा कार्य सम्पन्न कराये जाने की योजना है :–

वर्ष 2011–12 (रू0 लाख में)

क्रम सं0	नगर निगम का नाम	अत्याधुनियक एवं विशिष्ट मशीन/वाहन का नाम				अनुमानित कुल व्यय भार
		हाईड्रोलिक प्लेटफार्म (42 मीटर)		वाटर बाउजर		
		संख्या	अनुमानित लागत	संख्या	अनुमानित लागत	
1	कानपुर	1	450.0	1	28.0	478.0
2	लखनऊ	1	450.0	1	28.0	478.0
3	मेरठ	1	450.0	1	28.0	478.0
4	इलाहाबाद	1	450.0	1	28.0	478.0
5	आगरा	1	450.0	1	28.0	478.0
6	वाराणसी	1	450.0	1	28.0	478.0
कुल योग :		6	2700.0	6	168.0	2868.0

वर्ष 2012–13

(रू0 लाख में)

क्रम सं0	नगर निगम का नाम	कार्य का नाम				अनुमानित कुल व्ययभार
		भूमिगत जलाशयों का निर्माण		नलकूपों एवं ओवरहेड टैंकों तथा जोनल पम्पिंग स्टेशनों पर फायर हाईड्रेन्ट फ्लेजों का सुदृणीकरण		
		संख्या	अनुमानित लागत	संख्या	अनुमानित लागत	
1	कानपुर	10	260.0	—	35.0	295.0
2	लखनऊ	10	260.0	—	32.0	292.0
3	मेरठ	04	104.0	—	15.0	119.0
4	इलाहाबाद	04	104.0	—	15.0	119.0
5	आगरा	06	156.0	—	20.0	176.0
6	वाराणसी	04	104.0	—	15.0	119.0
कुल योग :		38	988.0	—	132.0	1120.0

वर्ष 2013–14

(रू0 लाख में)

क्रम सं0	नगर निगम का नाम	विशिष्ट मशीन/वाहन का नाम				अनुमानित कुल व्ययभार
		एम्बूलेंस विद लाइफ सापोर्ट सिस्टम (एक अदद रू0 11.0 लाख प्रति) एवं तत्कालीन आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अग्निशमन विभाग द्वारा वांछित अन्य अग्निशमन उपकरणों का क्रय		जीप टोईंग वेहिकल (एक अदद रू0 5.25 प्रति) एवं अग्निशमन योजना के क्रियान्वयन हेतु तत्कालीन आवश्यकता के अनुसार विविध कार्यों पर व्यय		
		संख्या	अनुमानित लागत	संख्या	अनुमानित लागत	
1	कानपुर	—	81.0	—	55.25	136.25
2	लखनऊ	—	81.0	—	55.25	136.25
3	मेरठ	—	61.0	—	35.25	96.25
4	इलाहाबाद	—	61.0	—	35.25	96.25
5	आगरा	—	61.0	—	35.25	96.25
6	वाराणसी	—	61.0	—	35.25	96.25
कुल योग :		—	406.0	—	251.50	657.50

वर्ष 2014–15

(रू0 लाख

क्रम सं0	नगर निगम का नाम	कार्य का नाम				अनुमानित व्यय
		अतिरिक्त भूमिगत जलाशयों का निर्माण		नलकूपों, ओवरहेड टैंकों तथा फायर हाईड्रेन्स का अनुरक्षण एवं नवीनीकरण		
		संख्या	अनुमानित लागत	संख्या	अनुमानित लागत	
1	कानपुर	05	130.0	—	30.0	160.0
2	लखनऊ	05	130.0	—	30.0	160.0
3	मेरठ	02	52.0	—	20.0	72.0
4	इलाहाबाद	02	52.0	—	20.0	72.0
5	आगरा	03	78.0	—	20.0	98.0
6	वाराणसी	02	52.0	—	20.0	72.0
कुल योग :		19	494.0	—	140.0	634.0

उक्तानुसार आग के खतरे से निपटने की व्यवस्था एवं उपशमन की योजना पर वित्तीय वर्ष 2011–12 से 2014–15 तक कुल अनुमानित व्यय रू0 2868.0+1120.0+657.50+634.0= रू0 5279.50 लाख (रूपया पांच हजार दो सौ उन्यासी लाख पचास हजार मात्र) होगा।

नगर निगमों के लिए आग के खतरे से निपटने की व्यवस्था एवं उपशमन की योजना के अन्तर्गत अग्निशमन कार्य एवं जीव रक्षा कार्यों हेतु प्रस्तावित विशिष्ट मशीनों/वाहनों का क्रय शासनादेश संख्या 5167/6–पु–7–06–56/98, दिनांक 07–11–2006 एवं वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड–V भाग–1 में निर्धारित नियमों का अनुपालन करते हुए किया जायेगा। उपकरणों के क्रय हेतु गठित क्रय समिति में सम्बन्धित नगर निगम के नगर आयुक्त भी सम्मिलित होंगे। उपकरणों/वाहनों के क्रय के अतिरिक्त शेष कार्य नगर निगमों द्वारा शासन के नियमानुसार गुणवत्ता तथा मितव्ययिता सुनिश्चित करते हुए सम्पन्न कराये जायेंगे।

आज्ञा से,
आलोक रंजन,
प्रमुख सचिव।

No. 582/IX-9–2011-294Ja.-10
Dated Lucknow, March 24, 2011

Action Plan

Sub :- **Fire Hazard Response and Mitigation Plan for 6 Municipal Corporations (Kanpur/Lucknow/Agra/Varanasi/Allahabad/Meerut) with a population of more than 1 million (2001 census).**

1. One of the 9 conditions laid down by the 13th Finance Commission, which are to be satisfied for drawing general performance grant by the Urban Local Bodies, is :

"All municipal corporations with a population of more than 1 million (2001 census) must put in place a fire hazard response and mitigation plan for their respective jurisdictions. Publication of these plans in the respective State Government *Gazettes* will demonstrate compliance with this condition."

2. The Commission in its recommendation in para no. 10.171 has, while mentioning that their attention has been drawn by the National Disaster Management Authrotiy to the dismal state of fire services, desired that fire mitigation and emergency services should be restructured in urban and rural areas. The commission has recommended that :-

"A portion of the grants provided by us to the urban local bodies be spent on revamping of the fire services within their respective jurisdictions. These bodies could provide financial support to the State Fire Services Department towards this objective."

3. **Corporations with a population of more than 1 million in the State** :–In Uttar Pradesh, the following Corporations are having population of more than 1 million as per 2001 census :

Sl.No.	Name of Corporation	Population as per 2001 census
1	Kanpur	25,55,811
2	Lucknow	21,85,927
3	Agra	12,75,134
4	Varanasi	11,03,952
5	Meerut	10,68,772
6	Allahabad	10,18,092

4. **Process for preparation of Fire Hazard Response and Mitigation Plan** :–While preparing Fire Hazard Response and Mitigation Plan for these Corporations, the present available facilities for fire mitigation services, which are not sufficient and provisions being made by the State Government out of their limited financial resources on year to year basis through departmental budget to the Fire Mitigation Services Department has been taken into consideration. Different kinds of activities undertaken by the Municipal Corporations out of grants received by them have also been taken into account. The assistance by Municipal Corporations for strengthening fire mitigation services shall be as supplement and Fire Mitigation Services Department shall continue to discharge their responsibilities as usual.

5. **Present arrangements for Fire Mitigation Services** :–In Uttar Pradesh, responsibility for fire mitigation services lies mainly with the Fire Mitigation Sevices Organisation under the Home Department of the State Government. Under the organisation there is Director, Fire Mitigation Services at the State Level and there are one or more fire fighting units in each District. Fire fighting units require cooperation of the Municipal Corporations to discharge their duties and responsibilities promptly and efficiently. It is essential for fire fighting that Jalkal, Water Storage, Fire Hydrants etc. are functional all the time, city planning should be such that fire tenders may reach the spot quickly. Providing these facilities is the job of the Municipal bodies. Therefore, Fire Hazard Response and Mitigation plan and its implementation can be managed well only with coordination and cooperation between Fire Mitigation Services Organisation and concerned Municipal Corporation.

6. **Action Plan** :–It is planned to facilitate supply of the equipments and to execute works as follows by the Municipal Corporations during year 2011-12 to 2014-15 :-

Year 2011-12

(Rs. in Lakh)

Sl.No.	Name of the Municipal Corporation	Name of the latest & specific machine/ vehicle				Estimated total Cost
		Hydrolic Platform (42 mtrs.)		Water Bowser		
		Qty.	Estimated cost	Qty.	Estimated cost	
1	Kanpur	1	450.0	1	28.0	478.0
2	Lucknow	1	450.0	1	28.0	478.0
3	Meerut	1	450.0	1	28.0	478.0
4	Allahabad	1	450.0	1	28.0	478.0
5	Agra	1	450.0	1	28.0	478.0
6	Varanasi	1	450.0	1	28.0	478.0
Grand Total :		6	2700.0	6	168.0	2868.0

Year 2012-13 (Rs. in Lakh)

Sl. No.	Name of the Municipal Corporation	Name of work				Estimated total Cost
		Construction of under ground water reservoirs		Strengthening of Tubewells,overhead tanks & Fire hydrants fledges at Zonal Pumping Stations		
		Qty.	Estimated cost	Qty.	Estimated cost	
1	Kanpur	10	260.0	--	35.0	295.0
2	Lucknow	10	260.0	--	32.0	292.0
3	Meerut	04	104.0	--	15.0	119.0
4	Allahabad	04	104.0	--	15.0	119.0
5	Agra	06	156.0	--	20.0	176.0
6	Varanasi	04	104.0	--	15.0	119.0
Grand Total :		38	988.0	--	132.0	1120.0

Year 2013-14 (Rs. in Lakh)

Sl. No	Name of the Municipal Corporation	Name of specific Mechine/Vehile				Estimated total Cost
		Ambulance with life support system (one unit @ Rs. 11.0 lakh each) and other fire mitigation equipments required by Fire Services Department to meet out urgent needs		Jeep Toeing vehicle (one unit @ 5.25 lack each)& expenses on misc. activities as per then requirement for implementation of fire mitigation plan		
		Qty.	Estimated cost	Qty.	Estimated cost	
1	Kanpur	-	81.0	-	55.25	136.25
2	Lucknow	-	81.0	-	55.25	136.25
3	Meerut	-	61.0	-	35.25	96.25
4	Allahabad	-	61.0	-	35.25	96.25
5	Agra	-	61.0	-	35.25	96.25
6	Varanasi	-	61.0	-	35.25	96.25
Grand Total :		-	406.0	-	251.50	657.50

Year 2014-15

(Rs. in Lakh)

Sl. No.	Name of the Municipal Corporation	Name of work				Estimated total Cost
		Construction of additional underground water reservoirs		Maintenance and renovation of Tubewells, overhead Tanks and Fire Hydrants		
		Qty.	Estimated cost	Qty.	Estimated cost	
1	Kanpur	05	130.0	--	30.0	160.0
2	Lucknow	05	130.0	--	30.0	160.0
3	Meerut	02	52.0	--	20.0	72.0
4	Allahabad	02	52.0	--	20.0	72.0
5	Agra	03	78.0	--	20.0	98.0
6	Varanasi	02	52.0	--	20.0	72.0
Grand Total :		19	494.0	--	140.0	634.0

As above total estimated expenditure on Fire Hazard and Mitigation Plan during financial year 2011-12 to 2014-15 would be Rs.2868.0+ 1120.0+657.50+634.0 = Rs. 5279.50 lakhs (Rupees fifty two crore seventy nine lakhs fifty thousand only).

Proposed specific machines/vehicles for fire mitigation and life saving functions under Fire Hazard and Mitigation Plan for Municipal Corporations shall be procured by complying with Government Order no. 5167/VI-Pu-7-06-56-98, dated 07.11.2006 and rules in Financial Hand Book Volume-V Part-I. In purchase committee constituted for procurement of equipments, Municipal Commissioner of the concerned Municipal Corporation shall also be included. Except for procurement of equipments/vehicles, rest of the works shall be executed by the Municipal Corporations while ensuring quality and economy.

By order,
ALOK RANJAN,
Pramukh Sachiv.

पी०एस०यू०पी०–ए०पी० 1322 राजपत्र (हि०)–2011–(2659)–599 प्रतियां (कम्प्यूटर/टी०/आफरोट)।

पी०एस०यू०पी०–ए०पी० 22 सा० नगर विकास–2011–(2660)–100 प्रतियां (कम्प्यूटर/टी०/आफरोट)।